“अंतरराष्ट्रीय मानवता दिवस”

आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन एवं वेद फाउंडेशन, भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार

“वैश्विक मानवीय आचरण और पारस्परिक सद व्यवहार”

दिनांक - 19 अगस्त 2023

दिनांक 19 अगस्त 2023 को आशा पारस फॉर पीस एण्ड हारमनी फाउंडेशन एवं वेद फाउंडेशन द्वारा संयुक्त तत्वावधान में “अंतरराष्ट्रीय मानवता दिवस” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी : वैश्विक मानवीय आचरण और पारस्परिक सद्व्यवहार” विषय पर आयोजित की। इस अवसर पर देश के अलग अलग हिस्सों से प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की।

जब आप व्यवस्थित नहीं होते हैं तब आपको चिंता, डर और अमानवीयता घेर लेती है यह वात **प्रो. वीरेंद्र गोस्वामी**, विजिटिंग साइनटिस्ट नासा एवं पूर्व कुलपति और विंग कमांडर ने अपने वक्तव्य में में कही, उन्होंने कहा कि मनुष्य निर्भय, तनावमुक्त और चिंतामुक्त होकर मानसिक शांति का अनुभव करता है तो उसके मानवीय मूल्यों में विकास होता है और मानवता विकसित होती है।

प्रो. पी. एन. मिश्रा, पूर्व विभागाध्यक्ष, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर ने अपने वक्तव्य में कहा कि बेईमानी और झूठ पर कोई समाज एवं परिवार टिक नहीं सकता, आज परिवार टूटते जा रहे हैं उनमे नैतिक मूल्यों को इंफोर्स करने कि क्षमता कम होती जा रही है यही कारण है कि अमानवीयता का विकास हो जाता है।

डॉ. सुरेन्द्र पाठक, सलाहकार, ग्लोबल पीस फाउंडेशन, भारत द्वारा कहा कि प्रकृति ने विभाजन नहीं किया है यह मनुष्य द्वारा निर्मित है, आज मानवीयता का हनन होने का कारण है कि लोग मैत्री सिर्फ लाभ के लिए करते हैं निस्वार्थ नहीं और यही मानवतापूर्ण रवैया नहीं है। हमे प्राकृतिक व्यवस्थाओं के साथ संतुलन बनाकर जीना होगा यही मानवीय आचरण होगा।

श्री अरविन्द तिवारी, संस्थापक निदेशक एवं अध्यक्ष, सी. आर. डी. जी. फाउंडेशन नोएडा द्वारा कहा कि मानवता का विकास होता है तो मनुष्य के जीवन से हिंसा खत्म हो जाती है और वह संतोषधन के साथ उदारवादी हो जाता है और परोपकार करता है।

अध्यक्ष के रूप में **प्रो. आशा शुक्ला**, पूर्व कुलपति, डॉ. बी. आर. अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय, महू द्वारा कहा कि हिंसा जब तक हमारे विचारों में है तव तक हम उसे व्यवहार से निराकृत नहीं कर सकते। अगर हम मानवीय मूल्यों के साथ सही से शिक्षित हैं तो उदार चरित्र एवं अहिंसक हो जाते हैं तभी विश्व को एक घर परिवार मानते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थाएं शांति और सद्भाव के लिए निरंतर कार्य करने के लिए संकल्पित हैं।

कार्यक्रम कि प्रस्तावना कार्यक्रम अध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत कि गई। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन लव चावड़ीकर, प्रबंधक आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन द्वारा किया गया।